

Charukeshi : Bandish in rupak

काहे बिसरायो कान्हा / संदेसवा लेइ जा / गोपियन सो गोविन्द को, ऊधो / दरस बिना तरसे जिया बरसे नैना
जब से गयो मदन मोहन मधुबन सो / तरप तरप बीतत उमर / हरि सो कहियो, ऊधो / बेगि आवो बेगि आवो बेगि आवो

♩ = 200

का हे बि स रा यो का न्हा
g r r g m r r s d n d s

सं दे स वा ले इ जा गो पि य न सो गो वि न्द को
r g g m d p d n S S R G M G R S d n R S

ऊ धो द र स बि ना त र से जि या ब र से नै ना
n d p p d n d m m p d m g r g m r s g

का हे बि स रा यो
g r r g m r r s

ज ब से ग यो म द न मो ह न म धु ब न सो
m p p d n S S S R G M G R S d n R S

त र प त र प बी त त उ म र ह रि सो क हि यो
G R R S n n S n d p m g r g m d p d n S

ऊ धो बे गि आ वो बे गि आ वो बे गि आ वो
n d p p d n d m m p d m g r g m r s g

का हे बि स रा यो
g r r g m r r s